



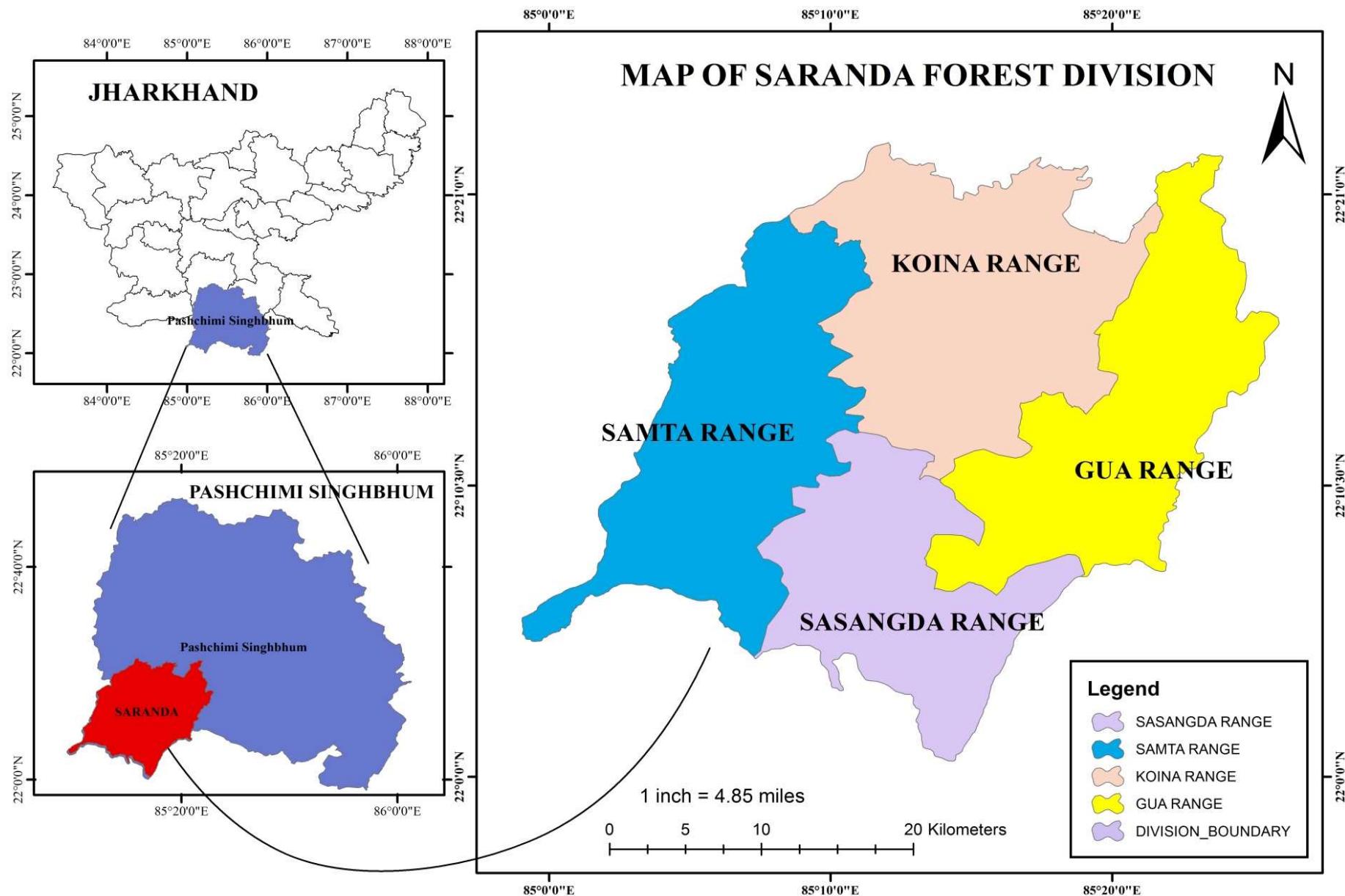
Achievements & Innovation by Saranda Forest Division Chaibasa

Presented By
Divisional Forest Officer

Saranda – Short Background

The Saranda division which was carved out of Porahat division on 1st of April 1924 comprises of 81664.17 ha of Reserved Forests and 3989.93 ha of Protected Forests (Total **85654.09 Ha**)

The forests of the Saranda Division, are situated in the Saranda Pir (paragana) which forms the south-western part of the West Singhbhum district. The Saranda division shares a part of the boundary in the north with Porahat and Kolhan divisions separated by railway line and Koina River. On the eastern side boundary is shared with Chaibasa South and Kolhan Forest divisions. On the south eastern side the division boundary is shared with Keonjhar district of Orissa state while on the western and north-western side the boundary is shared with Sundergarh district of Orissa. The southern boundary of Saranda is shared with Keonjhar districts of Orissa state.





WILDLIFE

SSWMP(Site Specific Wildlife Management Plan)

2 Sites Completed

- SAIL, Kiriburu & Meghahatuburu(Rs 5996.244 Lakh)
- TATA LONG PRODUCT(Rs 1506.39 Lakh)

सारंडा के कुमडीह में लगा एनाइडर, हाथी के आते ही बजेगा हूटर



कुमडीह में एनाइडर का उद्घाटन करते सारंडा डीएफओ चंद्रमीली प्रसाद सिन्हा। जागरण

जागरण संवाददाता, चाईशासा : सारंडा बन प्रमंडल की ओर से रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की शुरूआत कुमडीह गांव में एनाइडर्स स्टार्ट कर की गई। कुमडीह गांव में हाथी आने पर हूटर बज जाएगा। ग्रामीण व हाथी वैनों सावधान हो जायेंगे। ये एनाइडर्स टाटा स्टील लॉग प्रोडक्ट्स के व्याख्योग से लगाए गए हैं। एनाइडर्स की उद्घाटन के बाद कुमडी के ग्रामीणों के बीच पौधे का वितरण किया गया। इस दौरान कुमडीह के सेंगिया पंथिया ने बन विभाग से अनुरोध किया कि कुमडीह सेहल मार्ग पर नाका लगाया जाए। चाइल्डलाइफ मैनेजमेंट प्लान के तहत बनाए गए कैनोपी बिज का उद्घाटन किया गया। इसका उपयोग आमतौर पर बंदरों, गिलहरियों और अन्य वृक्षावासी प्रजातियों के लिए किया जाता है। कार्यक्रमों के अलावा बन विश्रामागार, बराइबुरु प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस के केवल एक पृथक् विषय पर पाट घेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने

गुवा आइटीआइ परिसर में रोपे गए पौधे

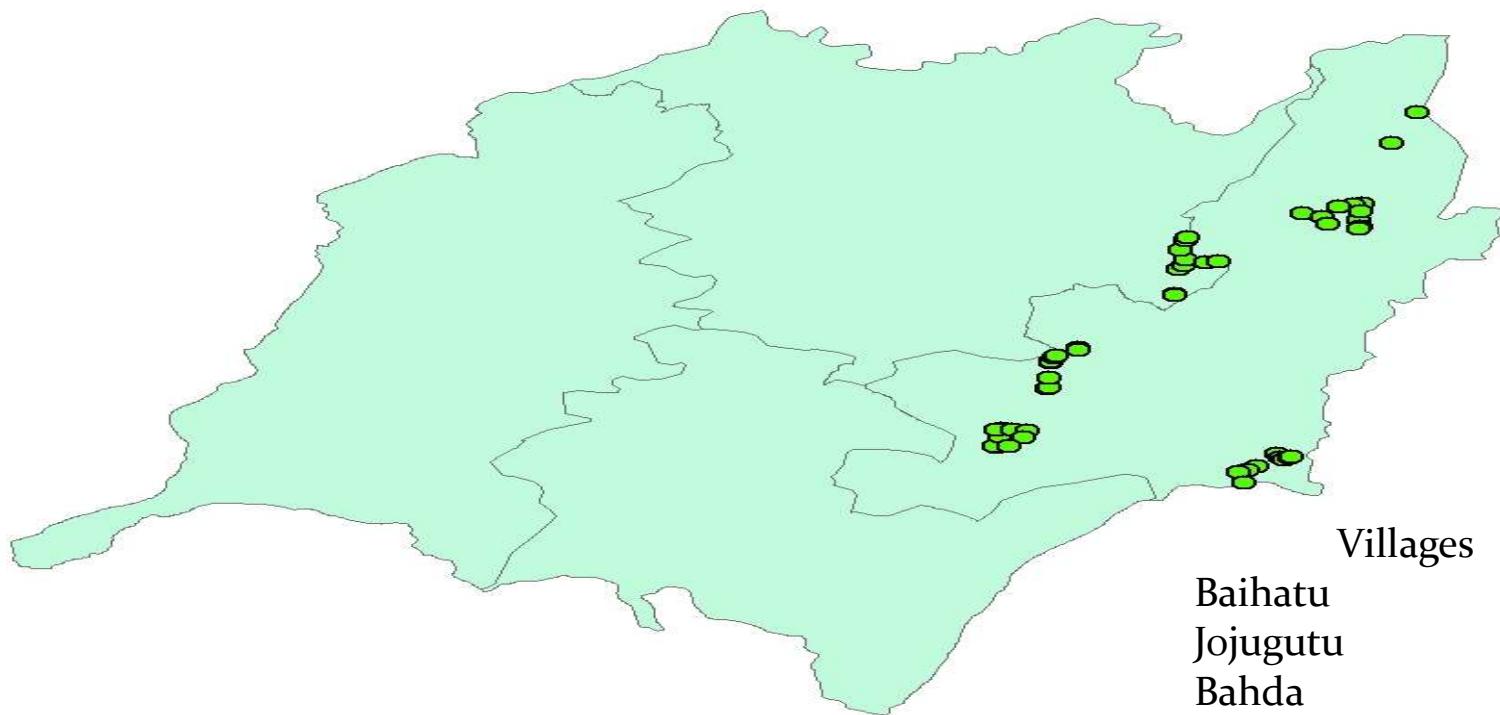
संस्. गुवा : सेल गुवा क्षेत्र अंतर्गत आइटीआइ परिसर गुवा में पौधारोपण के माध्यम से मुख्य महाप्रबंधक विपिन कुमार गिरी व गुवा अयस्क खान सेल के अन्य अधिकारियों ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण कर पर्यावरण को रक्षा के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में हरियाली, आकर्षीजन व सुंदरता को प्रदान करने वाली काजू, आम, लीची व अन्य पौधा लगाया गया। विपिन

कुमार गिरी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा व हरियाली हमारे जीवन में बहुत ही जरूरी है। सभी को अपने-अपने घरों के आसपास की खाली जगह पर पौधा लगाना चाहिए। इससे पर्यावरण सुरक्षित रहने के साथ-साथ हमें अत्यधिक मात्रा में आकर्षण मिलती है। मौके पर महाप्रबंधक दीपक प्रकाश, उप महा प्रबंधक डा. टीसी आनंद, वरीय प्रबंधक राकेश, नदकुलियोर आदि लोग उपस्थित थे।

कक्षा 1 से 7 एवं कक्षा 8 व उच्च वर्गी दो भाग में इस प्रतियोगिता में भाग लिया। कक्षा 1 से 7 में प्रथम स्थान सक्षम बिरुद्वा ने प्राप्त किया। प्रतीक कुमार सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। तृतीय स्थान पर तनुश्री रावत रही। कक्षा 8 व उच्च वर्ग में प्रथम स्थान पायल कुमारी ने प्राप्त किया। वर्षी, लोपा मुक्रा नायक द्वितीय स्थान पर रही। तृतीय स्थान पर श्रुति मिश्रा रही। सभी विद्यार्थी केन्द्रीय

विद्यालय, मेघाहातुबुरु के हैं। सारंडा डीएफओ चंद्रमीली प्रसाद सिन्हा, संलग्न पदाधिकारी प्रजेश कांता जेना, ससंगदा बन क्षेत्र पदाधिकारी राजेश्वर प्रसाद, गुवा बन क्षेत्र पदाधिकारी एके त्रिपाठी, सारंडा बन प्रमंडल के उप परिसर पदाधिकारी व सभी कर्मचारी एवं टाटा स्टील लॉग प्रोडक्ट्स लिमिटेड के देवाशीष मुखर्जी, देवाशीष दास, रमेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

ANIDERS in Saranda Division



Villages

Baihatu
Jojugutu
Bahda
Rajabera
Kumdi
Kasiya-Pecha
Ghatkuri
Tatiba

Total- 50

Canopy Bridge



Day Celebrations



ANIDERS

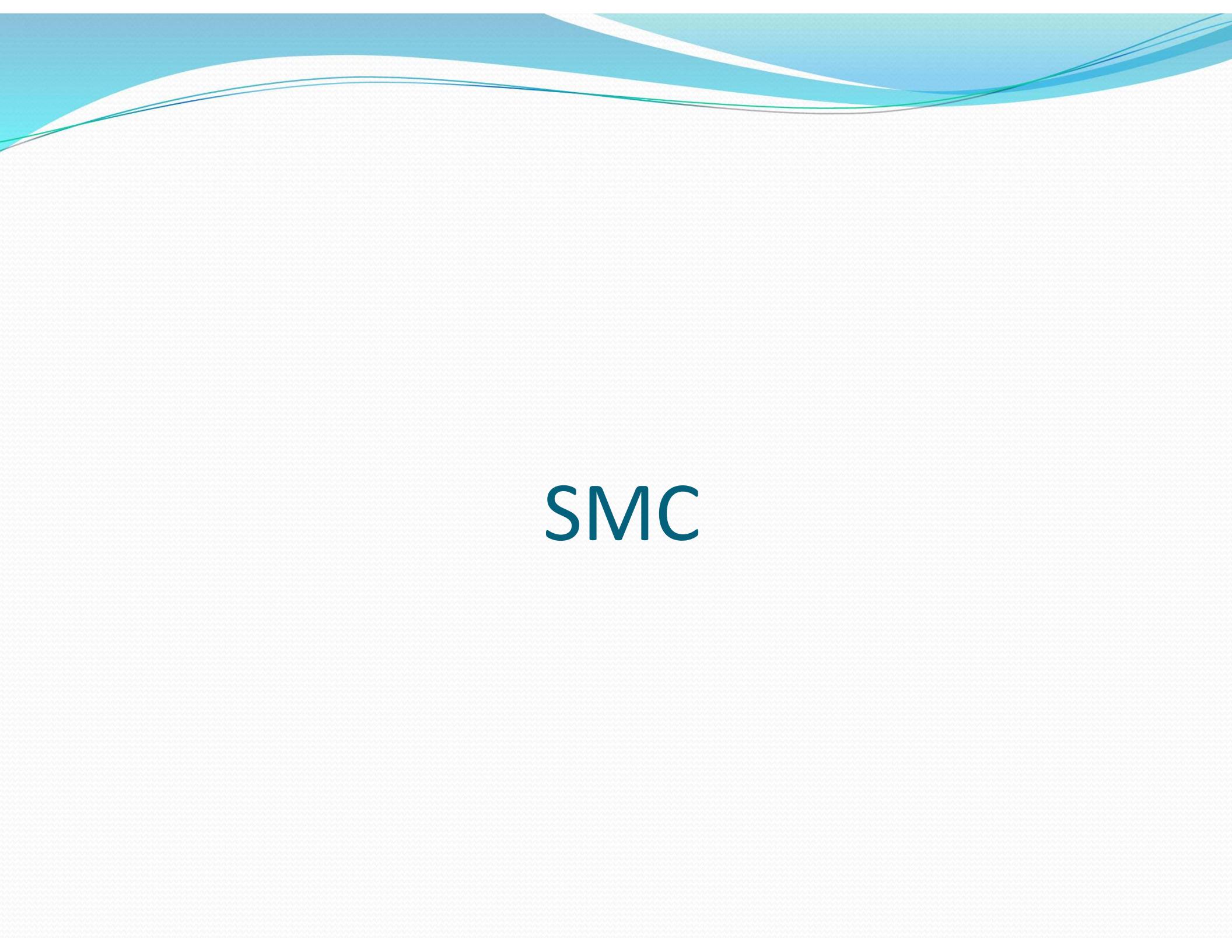
World Environment Day 2022



Environment Day Celebration, Painting at Baraiburu



Wall Painting at Kiriburu



SMC

Watershed



Pond at Jaraikela



Check Dam at Karampada



Check Dam at Ghatkuri



Check Dam at Nuiya



TCB at Jaraikela

CAT(Catchment Area Treatment Plan)



चाईबासा भास्कर 12-02-2022

अच्छी खबर... रोजगार सजन, वन्य जीव के अस्तित्व को बचाने की भी होगी कवायद खनन प्रभावित सारंडा के नदी-नालों के बचाव को 120 करोड़ की योजना स्वीकृत



1912 में 700 पहाड़ियों से घिरे सारंडा का हुआ था सीमांकन

अमित राज | मनोहरपुर

बन विभाग की ओर से परियावार प्रसिद्ध सारंडा अंतर्गत विभिन्न लौह-अयस्क खदानों से प्रभावित हो रहे नदी-नालों व अन्य वन्य जीवों को बचाने के लिए भारत सरकार ने निर्देश पर सारंडा वन प्रमंडल की ओर से कवायद शुरू हो गई है। इसका लेकर 120 करोड़ रुपए के एक प्रोजेक्ट कैचमेंट एसिया ईटर्मेट प्लान की स्वीकृति मिली है। जल्द ही जमीन पर इसका काम शुरू किया जाएगा। यह योजना अगले 8 सालों तक चलेगी। यह जनकारी सारंडा वन प्रमंडल पटाखिकारी चंद्रमल्ली प्रसाद सिंहा व विश्वास आईएफएस प्रजेश काता जेना ने दी है।

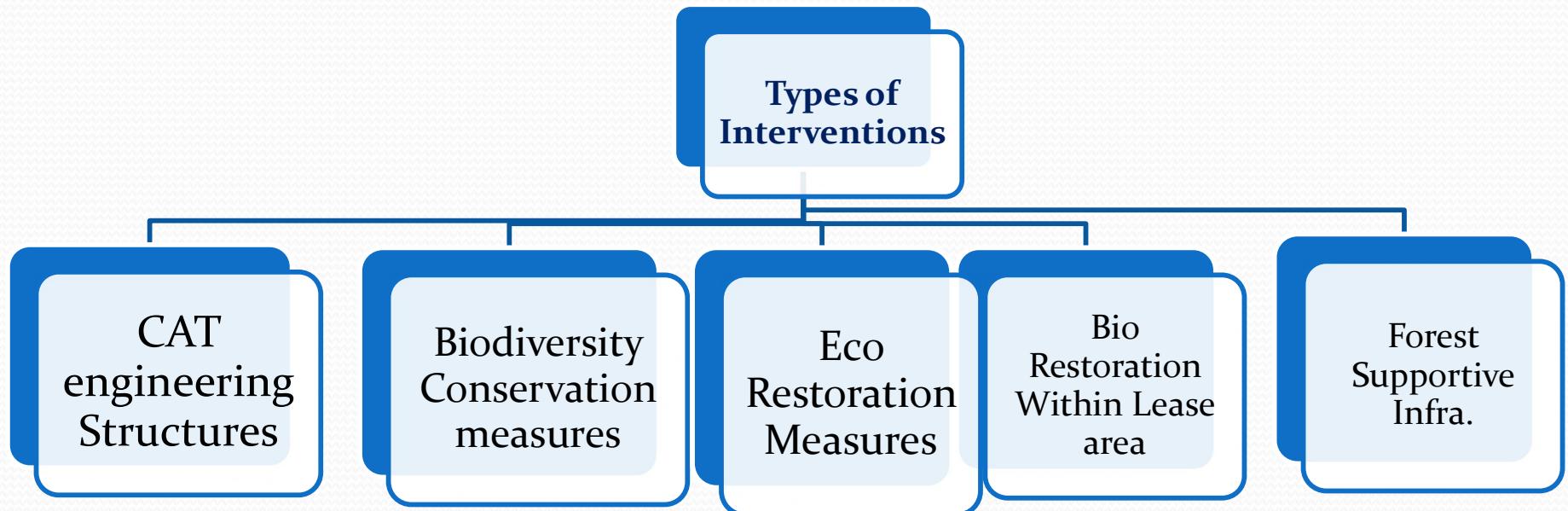
कहा- पीसीसीएफ (हेड ऑफ फारिस्ट फोर्स) अजय रस्तों की निजी रुचि के तहत प्रोजेक्ट का तेजी से निर्माण कराया गया है। आठ डब्ल्यू सेल व आईआईटी खंडगपुर के विशेषज्ञों व आईएफएस प्रजेश जेना द्वारा किया गया है। इधर इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से सारंडा से होकर बहने वाली कोयना व कारो नदियों के अलावा यहां अविभिन्न खनन नालों व झरनों के सौंदर्य में निखार ली आएगा ही, साथ ही सारंडा में पर्वतन व रोजगार के रास्ते भी खुल सकेंगे।

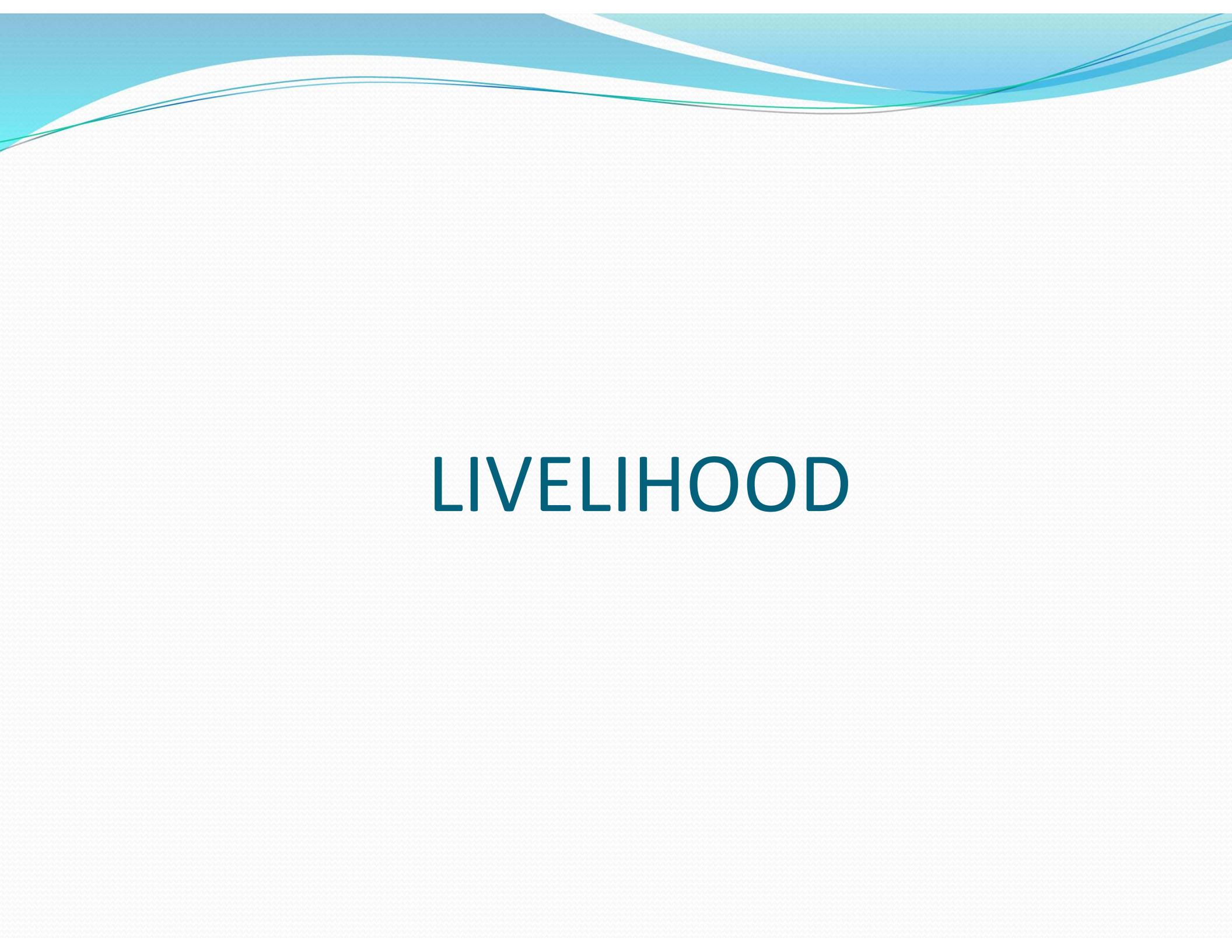
यहां से निकली हैं कारो-कोयना नदी व नाले

सारंडा इलाके से ही कारो-कोयना नदियां निकली हैं। कारो का उद्दम स्थल करमपटा के पास भनागढ़ है। जबकि कोयना नदी सारंडा से ओडिशा स्थित इलाके से निकली है। वहां यहां दुर्दूरी नाला, अकाईशिङा नाला, अंकुआ नाला, गुंदीजोड़ा नाला, जान्माड़ा नाला, सरीका नाला, ओराईनुक नाला के अलावा टीयोंवा झरना, जाटियिंग झरना, गानी झरा झरना, पुंदुल झरना आदि शामिल हैं। 1864 में पहली बार सिंहभूम के जगलों को जाओ गया था। वहीं 700 पहाड़ियों से घिरे साल के पेड़ों के लिए प्रसिद्ध सारंडा का सीमांकन 1912 में हुआ था। इसका विस्तार झारखंड के अलावा ओडिशा में भी है। जबकि 17 मई 1982 में सारंडा को रिजर्व फॉरेस्ट घोषित किया गया था। यह 854.54 वर्ग किमी में फैला हुआ है।



■ भारत सरकार के निर्देश पर इस प्रोजेक्ट का निर्माण किया गया है। सारंडा में खनन के कारण मिठ्ठी कटाव व नदी-नालों व झरनों के पानी की गणकता में काफी गिरावट आई है। इसे योकने व प्रक्रिया को पुनर्जीवित करने, वन व वन्य जीवों के अस्तित्व को बचाने व सारंडा इलाके में इको ट्रूरिजम के लिए रोजगार सूजन का काम किया जाएगा। जिसे 8 सालों में पूरा करना है। इसके लिए जल्द ही वन्य जीव विशेषज्ञ, वन व तकनीकी जनकारों की एक टीम का गठन किया जाएगा। -चंद्रमल्ली प्रसाद सिन्हा, डॉएफओ, सारंडा वन प्रमंडल, प्रजेश काता जेना, प्रशिक्षु आईएफएस।





LIVELIHOOD

Sal Leaf Plate Workshop



Bamboo Training



Bamboo craft training at Jaraikela



Bamboo craft training at Jaraikela

Silai Machine distribution at Jaraikela under Watershed





Health

Telemedicine village survey with AIIMS DELHI@THOLKOBAD



Vaccinations Camps in Van Grams during COVID-19



REDMI NOTE 8 PRO
CJL QUAD CAMERA

Fruiting Trees

- Plants of Litchi & Mango distributed in Kumdi village during Van Mahotsav.





FORESTRY

Roadside Plantation





Latitude: 22°14'2"N
Longitude: 85°23'35"E
Elevation: 399.38±97 m
Accuracy: 3.0 m
Time: 28-11-2021 15:29
e

Ghatkuri

Powered by NoteCam

Makranda Plantation

- The area under Samta range is affected by NAXAL.
- After discussion 80 hac. plantation done.



TRAINING

Officers Training at FTS Chaibasa



Forest Guard Training



Snake Handling Training for Forest Frontline Staff at FTS, Chaibasa

Karate Class at FTS, Chaibasa



Field Visit at Simlipal



Shot on OnePlus

By aikundh

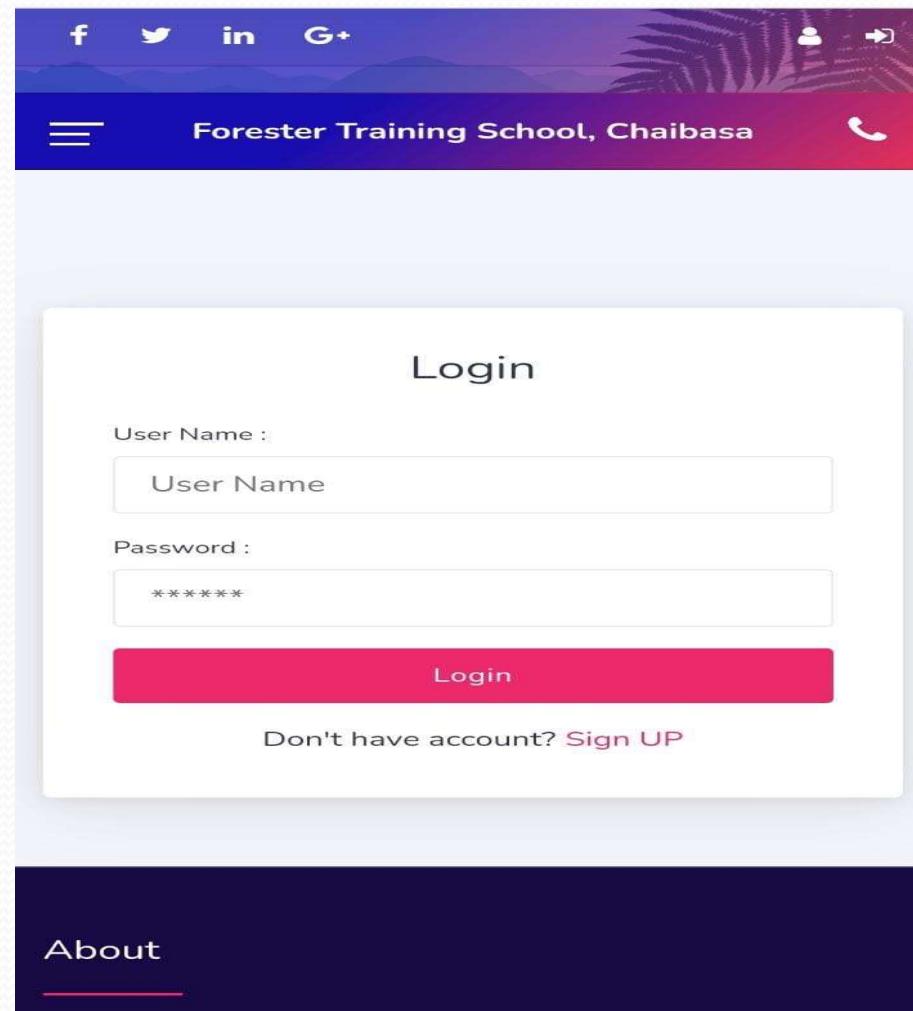
2022/03/22

09:27

Field Visit at Dalma



Online Course



f t in G+

User

Search

≡

Forester Training School, Chaibasa

Call

Login

User Name :

User Name

Password :

Login

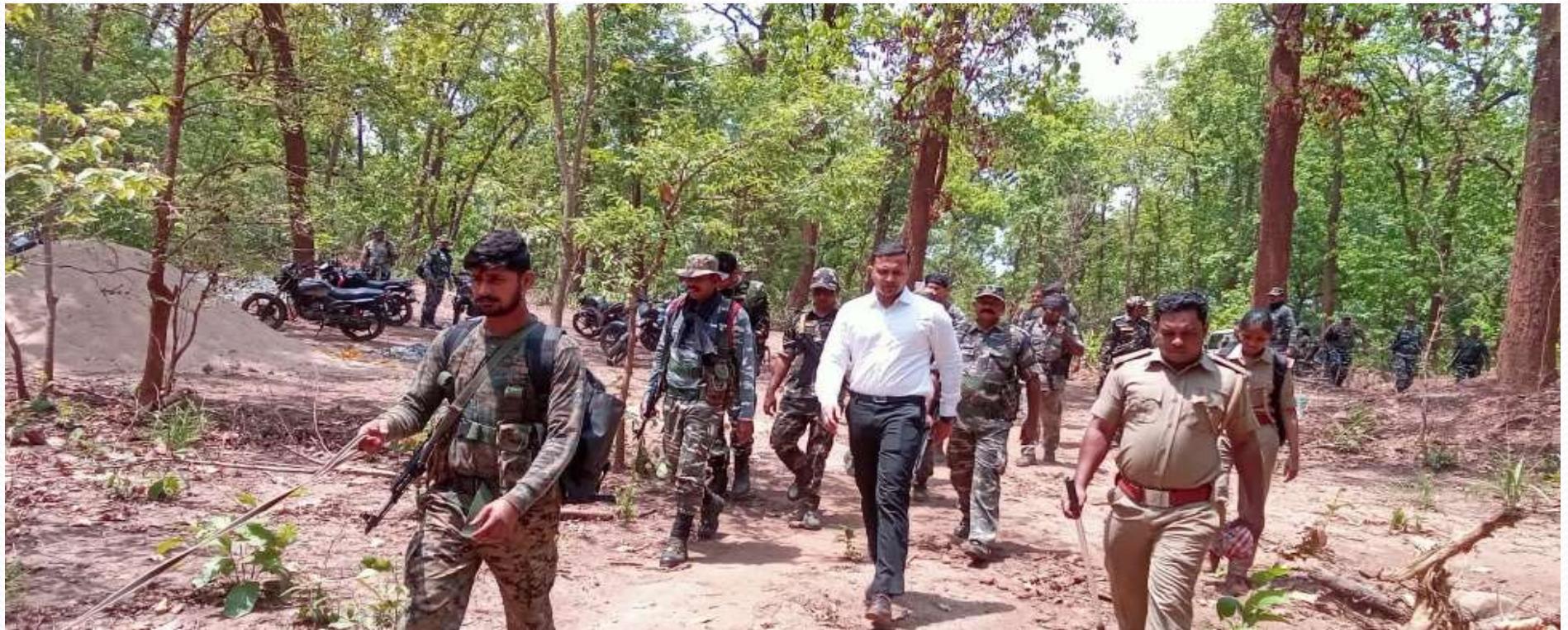
Don't have account? [Sign UP](#)

About

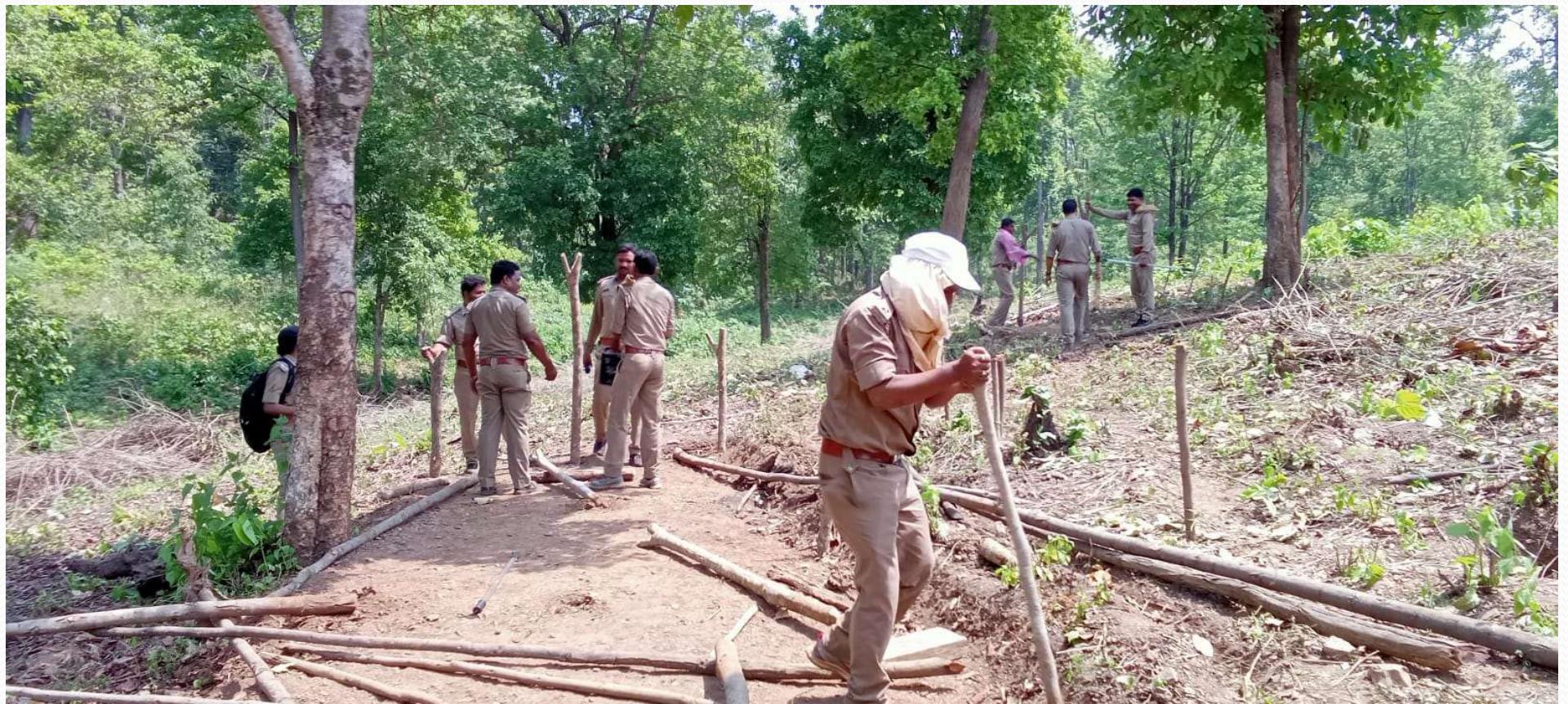


PROTECTION

Seizure,Raid



Encroachment removal near Kolbanga ,Koina range



Encroachment removal near Kolbanga ,Koina Range



Forest Fire

S.No.	Source	Fire Alert	Action
1	FSI	260	66
2	SELF	129	129
	Total	389	194

S.No.	Range	SMS Registration on FSI for Fire Alert
1	Koina	46
2	Sasangda	52
3	Samta	75
4	Gua	44
	Total	217

Vehicle and Fire Fighting Tools



POLICY

- Site Specific Plan
- District Environment Plan
- CAT Plan
- Elephant Plan
- Eco-Tourism Plan

ADMINISTRATIVE

Revenue

Revenue realized from mineral transact is

Rs. 1338328181.67(Rs 133.83 crore) from Oct 2020 to May 2022

PFMS Payments

- **Elephant Project(Rs.19,49,999)**
- **Forest Fire Prevention Management(Rs.11,01,490)**



Thank you